PRATHAM BOOKS
A Book in Every Child's Hand

लाखों बच्चों को पढ़ने का आनंद पहुँचाती कहानियाँ

प्रथम बुक्स की वार्षिक रिपोर्ट 2021-22

प्रबंधन रिपोर्ट

“यह प्रमाणित सत्य है कि खुद से चुनी हुई पुस्तकों को पढ़ना, या वह पढ़ना जो आप पढ़ना चाहते हैं, हमारे अधिकांश साक्षरता विकास का कारक है। इससे पाठकों में बेहतर पढ़ने की क्षमता, शब्दावली निर्माण, बेहतर लेखन, अच्छी वर्तनी और जटिल व्याकरणिक नियमों को समझने में मदद मिलती है। सच तो यह है कि जब तक पाठक स्वयं ना पढ़ना चाहे तब तक साक्षरता का विकास करना असंभव है। जो पाठक स्वयं पढ़ना चाहते हैं उन्हें शायद ही कभी पढ़ने-लिखने में कोई गंभीर समस्या होती है।”

- डॉ. क्रशेन स्टीफन, प्रसिद्ध भाषाविद् और शैक्षिक शोधकर्ता

प्रथम बुक्स की स्थापना इस विश्वास के साथ की गई थी कि पढ़ना मौलिक गुण है। मातृभाषाओं में मनोरंजक कहानी पुस्तकें और मनोरंजक ढंग से पढ़ना साक्षरता और सीखने के अंतराल को पाटने में मदद करता है। जो बच्चे अधिक पढ़ते हैं, वह बेहतर सीखते हैं। उनके स्कूल और जीवन में सफल होने की संभावना अधिक होती है।

पिछले एक साल में, हमने देखा है कि हमारी कहानी पुस्तकों ने कैसे सीखने की बाधाओं को दूर करने में मदद की है। नई पीढ़ी के बच्चों को स्कूल के लिए तैयार किया है और अपने आसपास की दुनिया से उन्हें बेहतर तरीके से जोड़ा है। हमारी पुस्तकों ने बच्चों को कैसे प्रभावित किया, शांभवी पाटिल इसका एक अच्छा उदाहरण हैं। जब हमारा शांभवी से परिचय हुआ तो वह महाराष्ट्र के पालघर में एक

ज़िला परिषद स्कूल की कक्षा 1 की छात्रा थी। शांभवी बाल मधुमेह से पीड़ित हैं। इसके कई लक्षणों में थकान भी एक लक्षण है। इस कारण शांभवी की स्कूल वा खेल में दिलचस्पी नहीं थी। उसकी हालत देखते हुए, माता-पिता उस पर पढ़ने का दबाव नहीं डालते थे।

लेकिन जब महाराष्ट्र में एससीईआरटी और यूनिसेफ की साझेदारी में गोष्टीचा शनिवार यानी ‘शनिवार की कहानियाँ’ रीडिंग प्रोग्राम चला, जिसमें हर शनिवार को रंग-बिरंगी, आकर्षक कहानी पुस्तकें आने लगीं, तो हालात बदलने लगे। शांभवी को अपने शिक्षक श्री विजय रावल की मदद से किताबें पढ़ना और उससे जुड़ी गतिविधियाँ करना बहुत पसंद था। उसके माता-पिता यह जानकर बहुत खुश हुए कि वह सवाल पूछेगी, कहानियों पर चर्चा करेगी और कठिन शब्दों का अर्थ जानने के लिए मदद भी मांगेगी। किताबें अब शांभवी की दोस्त और उसके जीवन का एक खुशनुमा हिस्सा हैं।

हमने टैड-स्वच्छ के मा बारी केंद्रों के माध्यम से सहरिया और वागड़ी की आदिवासी भाषाओं में सीखने की ज़रूरतों को पूरा करने के लिए यूनिसेफ और राजस्थान सरकार के जनजातीय क्षेत्र विकास विभाग के साथ भागीदारी की। यह कार्यक्रम 11 ज़िलों में 2609 मा बारी केंद्रों में चला, जिसमें 3500 शिक्षक और 78,270 बच्चे शामिल थे। यह फिल्म बच्चों और शिक्षकों का पुस्तकों के माध्यम से उनकी मातृभाषा से जुड़ने के महत्त्व को रेखांकित करती है ताकि सीखने में उनकी मदद की जा सके।

सीबीएसई रीडिंग मिशन के लिए केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड (सीबीएसई) के साथ हमारी दो साल की साझेदारी का उद्देश्य अगली पीढ़ी के पाठकों और शिक्षार्थियों का शैक्षिक पोषण करना है।

पिछले एक साल में, हमारे मुफ्त, मुक्त डिजिटल मंच स्टोरीवीवर ने 296 भाषाओं में, विभिन्न पठन स्तरों की 44,000 से अधिक कहानियाँ प्रकाशित की। सामाजिक और भावनात्मक शिक्षा, स्वास्थ्य और स्वच्छता और स्टेम जैसे विविध विषयों से संबंधित ये पुस्तकें, शुरुआती पाठकों से लेकर प्रवीण पाठकों तक के लिए तैयार की गई हैं। स्टोरीवीवर पर फाउंडेशनल लिट्रेसी प्रोग्राम को लॉकडाउन में स्कूल बंद होने के कारण शिक्षा में पैदा हुए अंतराल को पाटने के लिए डिज़ाइन किया गया। ऐसे कई बच्चे जिनकी “स्कूल की भाषा” और घर की भाषा अलग-अलग है, उनके लिए उनकी मातृभाषा में अधिक मूल पुस्तकें बनाईं, और अनुवादकों को बड़े पैमाने पर पढ़ने के संसाधन प्रदान करने में मदद के लिए ऑनलाइन अनुवाद उपकरण बनाए। हमने पर्यावरण विषयक पुस्तकें रचीं, साथ ही छोटे बच्चों को जलवायु संकट को समझने में मदद करने वाली पुस्तकें भी तैयार कीं। हमने पूरे भारत में 18 भाषाओं में 22 लाख से अधिक मुद्रित पुस्तकें वितरित कीं, जिससे लाखों बच्चे लाभान्वित हुए, और अपने *मिस्ड कॉल दो, कहानी सुनो* के मुफ़्त अभियान के माध्यम से दस लाख से अधिक श्रव्य कहानियाँ पहुँचाईं।

डोनेट-ए-बुक ने दूर-दराज के क्षेत्रों में पुस्तकालयों के निर्माण में मदद की, ताकि बच्चों को पढ़ने का आनंद और कहानी पुस्तकों के जादू का अनुभव मिल सके।

महामारी के कारण सीखने में हुए नुकसान की भरपाई करने में वर्षों लगेंगे, और हम दुनिया और बच्चों को पढ़ने, सीखने, विकसित करने, खोजने और समझने में मदद के लिए प्रतिबद्ध हैं।

हमेशा की तरह, हमारे मिशन को आगे बढ़ाने में मदद करने और हर जगह आनंदपूर्ण पठन के माध्यम से बच्चों के लिए बड़ा बदलाव लाने में आपके निरंतर सहयोग के लिए धन्यवाद - हम आपके बिना ऐसा नहीं कर सकते।

प्रथम बुक्स समूह और ट्रस्टियों की ओर से,
आर श्रीराम
अध्यक्ष एवं प्रबंध ट्रस्टी

पुस्तकों के माध्यम से दुनिया को जानना

ऐसे समय में जब पढ़ने की खाई को पाटना सबसे ज़रूरी है, PANI अनुदान के तहत बनी हमारी सुंदर पुस्तकें बाल पाठकों को पन्ने पलटने पर मजबूर करती हैं, चाहे पंकज सैकिया की द थिएटर ऑफ घोस्ट्स हो, सुदर्शन शॉ की व्हेन ए फॉरेस्ट वेक अप हो, या प्रोइती रॉय की आई कैन स्मेल ।

गणित और पर्यावरण पर आधारित पुस्तकों के साथ स्टेम पाठ्यक्रम के अंतराल को पाटने के लिए, और वैज्ञानिक और जिज्ञासापूर्ण पुस्तकों के साथ बच्चों को पढ़ने के लिए प्रेरित करने के हमारे प्रयासों में साथ देने के लिए, इस वर्ष की स्टेम पुस्तकें जितनी दिलचस्प हैं, उतनी ही विविधतापूर्ण भी।

हाउ मेनी? जोड़ की सरल अवधारणा पर आधारित है, जिसे सुदेशना शोम घोष और सायन मुखर्जी द्वारा रचा गया है। अथिया अशोक कुमार की गोला गोला और अच्चाचीज़ बगब्रेला वेन डायग्राम और पाई चार्ट के माध्यम से डेटा के जटिल विषयों के बारे में बताती हैं। शबनम मीनवाला अपनी पुस्तक ट्रेजर बॉक्स और हर मिनट का हिसाब लगाती एवरी मिनट काउंट्स के माध्यम से हासिल और जोड़ की अवधारणा से परिचित कराती हैं।

रोहन दाहोत्रे की ऑल अबाउट क्लॉज, ऑल अबाउट टीथ, और ऑल अबाउट बीक्स में जंगली जीव केन्द्र में हैं। डेविड याम्बेम द्वारा चित्रित और मीनू थॉमस द्वारा लिखित वीरा और तिल्ली और पाटीज़ गोल्ड में कृषि केंद्र में है। पाटीज़ गोल्ड कृतिका सुसरला द्वारा चित्रित है। प्रियदर्शिनी गोगोई की हैव यू एवर क्लाइम्बेड ए ट्री पेड़ों पर आधारित है। इसमें वह पाठक को

पूरे भारत में पेड़ों के दौरे पर ले जाती हैं, यहाँ तक कि वह विभिन्न तरह के पेड़ों पर चढ़ने के लिए सुझाव भी देती हैं। ऋतु देसाई द्वारा लिखित और एकता भारती द्वारा चित्रित प्लांट्स आर एव्रीवेयर में हम देखते हैं कि पौधे कहीं भी, कैसे भी विकसित हो सकते हैं।

हमारी कुछ बेहतरीन पुस्तकें जीवों के प्रति संवेदना को लेकर हैं। यह मानव और जीवों के बीच खूबसूरत रिश्ते को दर्शाती हैं। राजीव आइप की दुग्गा बिना शब्दों की चित्र पुस्तक है जो दर्शाती है कि कैसे, स्नेह, सहानुभूति और देखभाल से एक आवारा कुत्ता, दुग्गा एक नया जीवन पाती है। उसी तरह, पोम्मी और टॉमी एक बच्ची की कहानी है, जिसे जानवरों से डर लगता है।

पर एक जीव की मदद करते हुए वह अपने डर पर जीत हासिल कर पाती है। ह्यूमेन सोसाइटी इंटरनेशनल के सहयोग से, प्रिया कुरियन की ब्यूटी इज़ मिसिंग, रीना आई. पुरी और अरात्रिका चौधरी की हैप्पी ऐज़ ए हेन, और मंजरी चक्रवर्ती की हरु में भैंस, मुर्गी और बकरियों जैसे नजरअंदाज़ किए जाने वाले जीवों की कहानी है। ये तीनों इस साल की हमारी चैंपियन पुस्तकें हैं। ये पुस्तकें जीवों के प्रति संवेदना को बढ़ावा देती हैं, बच्चों का इनसे भावनात्मक संबंध जोड़ती हैं।

जलवायु परिवर्तन के संकट को बयाँ करती कहानियों के लिए हमारी संपादक बीजल वच्छरजानी को श्रेष्ठ संपादक का पुरस्कार मिला, इनमें अज़ीम प्रेमजी अनुदान के तहत निर्मित अर्थ, आवर होम उल्लेखनीय है।

जलवायु परिवर्तन के दुष्प्रभावों को व्यक्त करती इस पुस्तक को सलिल चतुर्वेदी, सम्पूर्णा चटर्जी, कार्तिका नायर और अनुष्का रविशंकर द्वारा लिखा गया है और खूबसूरत चित्रों से सजाया है ऐन्द्री सी ने। इस पुस्तक से प्रेरित हो छात्र जलवायु परिवर्तन और पृथ्वी पर जीवन के संकट को लेकर अपनी कविताएँ रच रहे हैं।

द सिकरेट वर्ल्ड ऑफ मेहली गोभाई, पी.एस. व्हाट्स अप विथ द क्लाइमेट?, अम्मू एंड द स्पैरो, बी.आर. अम्बेडकर : ए लाइफ इन बुक्स, और आर्ट इज एव्रीवेयर **शृंखला** मीडिया में चर्चित रहीं। बच्चों की थिएटर कंपनी गिलो द्वारा सीड सेवर्स और द वॉटर सीड को वीडियो नाटकों में रूपांतरित किया गया। और वेन आई ग्रो अप को नीदरलैंड में कबूम एनिमेशन फेस्टिवल 2022 में आधिकारिक चयन मिला।

समावेशी पुस्तकें बनाने की हमारी प्रतिबद्धता के रूप में, हमने चित्र पुस्तक निर्माताओं के लिए विविधता मार्गदर्शिका बनाने के लिए यूनिसेफ के साथ सहयोग किया, जिसके अंतर्गत समावेशी पुस्तकें बनाने से संबंधित समस्याओं, मुद्दों और समाधानों को समझने के लिए एक केंद्रित समूह का आयोजन किया गया।

हमने सृष्टि मणिपाल इंस्टीट्यूट ऑफ आर्ट, डिजाइन एंड टेक्नोलॉजी के साथ पिक्चर-बुक मेकिंग मास्टरक्लास में भी सहयोग किया, जिसके परिणामस्वरूप स्टोरीवीवर के लिए स्टोरी कार्ड का एक सेट तैयार किया गया।

पुरस्कार

अम्मू एंड स्पैरो

व्हू स्टोल भइयाज़ स्माइल?

मेकिंग फ्रेंड्ज़ विद स्नेक्स

असामो, इस दैट यु?
जलवायु का यह क्या हाल है?

अम्माचीज़ इनक्रेडिबल इवेस्टीगेशन
बॉम्बे डक्स, बॉम्बे डॉक्स
द लड्डू कोड

दीपा बलसावर

चयनित पुस्तकें

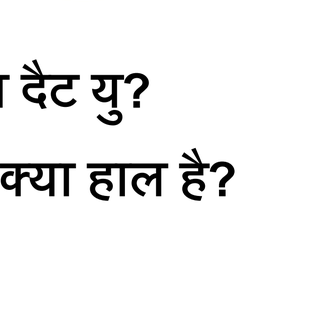

असामो, इस दैट यु?

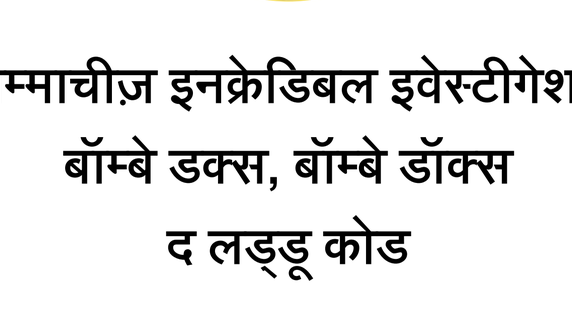

मेकिंग फ्रेंड्ज़ विद स्नेक्स
सतरंगी लड़के, लड़कियाँ

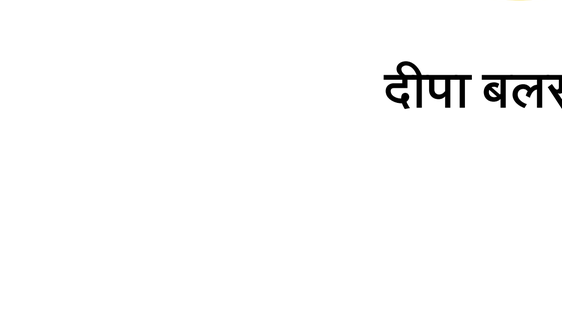

ग्रासस्टीकर
बॉम्बे डक्स, बॉम्बे डॉक्स

हर बच्चे तक उसकी मातृभाषा में पुस्तकें पहुँचाना

महामारी से पढ़ने में हुए नुकसान की भरपाई के लिए हमने शुरुआती पाठकों के लिए 30 मराठी पुस्तकों की रचना की। ये आकर्षक, मनोरंजक और पढ़ने पर मजबूर करने वाली पुस्तकें निपुण भारत 2020 की गाइडलाइन के तहत सभी बच्चों के लिए मूलभूत साक्षरता प्राप्त करने के उद्देश्य से बनाई गई।

हमें विश्वास है कि ये पुस्तकें कक्षा में बच्चों को जटिल विषयों को सरलता से समझने और मनोरंजक ढंग से पढ़ने में उपयोगी होंगी। छोटे बच्चे इनसे ऐसा कौशल प्राप्त कर सकेंगे, जिससे वह निपुणता से पढ़ना और लिखना सीख सकें। हमने पाया कि स्वयं गहराई से पुस्तकें पढ़ने के साथ बातचीत में मदद के लिए शिक्षक, लाइब्रेरियन और फैसिलिटेटर की भूमिका महत्त्वपूर्ण है, इससे कम उम्र में बच्चों का पुस्तकों से लगाव हो जाता है और ताउम्र बना रहता है।

हमारी पुस्तकों ने देश भर के बाल पाठकों को जो कई खुशनुमा पल दिए हैं, उनकी कुछ झलकियाँ-

“शिक्षक कक्षा 1 में प्रोजेक्टर पर मराठी कहानी कारंजे दिखा रहे थे। कहानी में, सड़क खुदी हुई है और लड़का खेल रहा है। उसे मिट्टी में एक पानी का पाइप दिखाई देता है। अनजाने में वह पाइप पर रखा हुआ पत्थर उठा लेता है। फिर क्या? बाहर हवा और पानी का फव्वारा निकल पड़ता है ... फस्स! अब हर बच्चा वही आवाज़ निकालना चाहता था। अगले पृष्ठ पर कोई लिखित शब्द नहीं है। बस टूटे पाइप से पानी निकलने की आवाज़ आ रही थी। और कक्षा चिल्लाई... फस्स! सर्र! सभी बच्चे जोर-जोर से इन आवाज़ों को दोहराते रहे। और कक्षा हँसी से लोटपोट हो गई।”

मंजरी निंबकर,
कमला निंबकर बालभवन फलटन,
महाराष्ट्र

“बच्चों की पसंदीदा पुस्तकें नानागे अडू बेकू और नन्ना मीनू अल्ला नन्ना मीनू हैं। ये पुस्तकें आम कन्नड़ भाषी प्रदेश से संबंधित हैं इसलिए बच्चे इनकी कहानी और चित्रों से स्वयं को जोड़ पाते हैं। कई बार बच्चे इन चित्रों से अपनी ही एक नई कहानी गढ़कर हमारे पास आते हैं। वे पात्रों के नामों को परिवार के सदस्यों जैसे गाय, बिल्ली, कुत्ते, पक्षी आदि से बदल देते हैं। हमें स्नेल्स इन ए स्पाइरल, मलार्स बिग हाउस और द मुंडू मैजिशियन का कन्नड़ भाषा में अनुवाद करने का यह तरीका पसंद आया। इसका बच्चों पर अच्छा प्रभाव पड़ता है।”

अशोक, कर्नाटक के शिवनहल्ली
स्कूल में शिक्षक।

“पेंट डे, प्लांट डे, اوی کی مصروفیت का उर्दू संस्करण दिलचस्प तरीके से तैयार किया गया है। पुस्तक पढ़कर पता चलता है कि अनुवादक बच्चों की नब्ज़ से परिचित है। कहानी का अनुवाद रोचक तरीके से किया गया है। न केवल बच्चे बल्कि बड़ों को भी इसे पढ़ने में मज़ा आता है।”

“मीना मेक्स ए डैश बच्चों को मुश्किल लग सकती है, लेकिन सामान्य शब्दों का उपयोग इसे आसान बना देता है। مینا کی شان دار دوڑ उर्दू में कहानी का सटीक अनुवाद किया गया है। अनुवादक ने सरल और आसान शब्दों का प्रयोग किया है। यह कहानी शिक्षाप्रद भी है और बच्चों को इसे पढ़ने में मज़ा भी आता है क्योंकि अनुवाद बहुत रचनात्मक है।”

डॉ. नूरस सबाह, लेखक, समीक्षक और शिक्षक, दिल्ली।

“लापता सुंदरी बच्चों की पसंदीदा हिन्दी कहानी थी। चौथी-पाँचवी कक्षा के बच्चे इसे पढ़ने में सक्षम हैं, पर जब मैंने यह कहानी और भी कक्षाओं को सुनाई तो सभी को बहुत मज़ा आया। कहानी को सुनाने के बाद बच्चे अपना भी अनुभव साझा कर रहे थे। लगभग सभी बच्चों के गाँव में पालतू गाय या भैंस है, वे सभी अपनी भैंसों के नाम बताने लगे, साथ ही उनकी खूबियाँ भी। इस पुस्तक के साथ हमारा रीडिंग सेशन बहुत ही मज़ेदार रहा।”

सुनीता कुमारी, सर्वोदय कन्या
विद्यालय, मोलड़बन्द,
नई दिल्ली

“प्रथम बुक्स की ओड़िया पुस्तकों में अवधारणाओं को स्पष्ट तरीके से व्यक्त किया गया है। यह उन्हें अन्य प्रकाशकों की तुलना में अधिक दिलचस्प बनाती है। वेयर इज़ नंदिनी?, स्नेल इन अ स्पाइरल, लुक अप!, व्हेन विल अम्मा बैक?, वन, थ्री, फाइव, हेल्प! और हंग्री ऑन द स्टेप्स बेहतरीन स्टेम पुस्तके हैं। प्रत्येक पुस्तक की सामग्री और भाषा उपयुक्त है और निस्संदेह बच्चों के लिए मनोरंजक है। इन पुस्तकों ने मुझे अलग-अलग विधाओं की और पुस्तकें पढ़ने के लिए प्रेरित किया।”

कल्पना दास, शिक्षक,
श्री अरबिंदो इंस्टीट्यूट ऑफ
हायर स्टडीज एंड रिसर्च, कटक,
ओडिशा

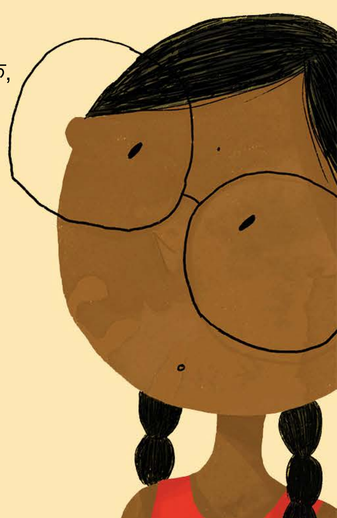

बच्चों को मूलभूत साक्षरता की ओर ले जाना

उपयोगकर्ता : 80 लाख

कहानियाँ : 44000

भाषाएँ : 296

पाठक : एक करोड़ नब्बे लाख

फाउंडेशनल लिट्रेसी प्रोग्राम

कहानी पुस्तकों पर आधारित एक अनोखा प्रोग्राम जो महाराष्ट्र के सबसे वंचित समुदाय के बच्चों को सीखने में मदद करता है।

PRATHAM BOOKS storyweaver

“कोविड महामारी के कारण, ग्रामीण क्षेत्रों में बच्चों के पास सीखने की सामग्री बहुत कम थी। यूनिसेफ महाराष्ट्र द्वारा किए गए एक सर्वेक्षण में, हमने पाया कि 36% बच्चों को किसी भी प्रकार की शिक्षण सामग्री नहीं पहुँच पा रही थी। इनमें से अधिकांश बच्चे वंचित समुदायों से थे। इसने यूनिसेफ को गैर-डिजिटल माध्यमों से सीखने के साधन उपलब्ध करवाने के लिए प्रेरित किया, इसलिए हमने प्रथम बुक्स के साथ दो लक्ष्यों के साथ सीखने और पढ़ने की सामग्री का एक सेट डिजाइन करने के लिए भागीदारी की - पहला प्रारंभिक कक्षाओं के बच्चों में पढ़ने का कौशल विकसित करना और दूसरा प्राथमिक कक्षाओं में बच्चों के सीखने के कौशल में सुधार करना।

इस बात को ध्यान में रखते हुए, हमने मूलभूत साक्षरता कार्यक्रम के लिए महाराष्ट्र के दो सबसे वंचित ज़िलों, नंदुरबार और गडचिरोली पर ध्यान केंद्रित किया। इस अनूठे कार्यक्रम का उद्देश्य छह ब्लॉकों में 60,000 बच्चों को संबोधित करना था, जहाँ घर पर पढ़ने के लिए पुस्तकों के माध्यम से बच्चे पुस्तक पकड़ना सीखेंगे, उसके पन्ने पलटेंगे और शब्दों को पहचानना शुरू करेंगे।

एक अध्ययन से पता चला कि इस गतिविधि के बाद छह महीने में सबसे अधिक हाशिए पर रहने वाले बच्चों के सीखने का स्तर लगभग दोगुना हो गया है।

दुनिया भर के साक्ष्यों से पता चलता है कि जब बच्चे कहानियाँ सुनना शुरू करते हैं तो उनकी पढ़ने की क्षमता में सुधार होता है और इसलिए उनका सीखना भी बेहतर होता है, जो कि हमारा प्राथमिक ध्येय है। इस मूलभूत साक्षरता कार्यक्रम को आकर्षक ढंग से डिजिटल मंच पर लाया गया और उन बच्चों तक पहुँचाने में कामयाब रहा, जो नियमित शिक्षा प्रोग्राम से बाहर रह गए थे।

इसके अलावा, इसे आधारभूत साक्षरता के संदर्भ में डिजाइन किया गया था, जिसका उल्लेख नई शिक्षा नीति 2020 में किया गया है। राज्य में सीखने के परिणामों में सुधार सुनिश्चित करने के लिए बाल साहित्य की उपलब्धता एक बहुत ही महत्त्वपूर्ण आधारशिला है।”

- राजेश्वरी चंद्रशेखर, यूनिसेफ, महाराष्ट्र।

शिक्षकों का मार्गदर्शन करना

स्कूली बच्चों में पढ़ने की आदत डालने वाले विभिन्न कार्यक्रमों के माध्यम से सरकार के साथ साझेदारी करना।

“पढ़ना सीखने का एक प्रमुख तत्त्व है। संज्ञानात्मक विकास के अलावा, पढ़ने से कल्पना, सहानुभूति और सामाजिक कौशल विकसित करने में मदद मिलती है। प्रथम बुक्स का स्टोरीवीवर आकर्षक, कक्षा-उपयुक्त पठन संसाधनों का एक अद्भुत संग्रह है। मुझे उम्मीद है कि हमारे शिक्षक सीबीएसई रीडिंग मिशन में शामिल होंगे, कक्षा में इन संसाधनों का उपयोग करेंगे और बच्चों को पढ़ने की आदत विकसित करने के लिए प्रोत्साहित करेंगे।”

मनोज आहूजा, आईएएस चेयरपर्सन, सीबीएसई

“लॉकडाउन के कारण राज्य भर के छात्रों को पढ़ने का नुकसान उठाना पड़ा था और वंचित क्षेत्रों में कई छात्रों के पास इंटरनेट की सुविधा नहीं थी। यहाँ तक कि उनके लिए पठन सामग्री प्राप्त करना भी मुश्किल था। गोष्टीचा शनिवार कार्यक्रम ने छात्रों को उनके घर के वातावरण में किताबें सुलभ बनाकर इस अंतर को पाटने में मदद की। छात्रों ने किताबों का आनंद लिया और भेजी गई गतिविधियों ने भी उन्हें और उनके शिक्षकों को कहानियों से जुड़ने में मदद की। प्रथम बुक्स के स्टोरीवीवर द्वारा आयोजित प्रशिक्षण कार्यक्रम ने हमारी टीम की क्षमता निर्माण में मदद की ताकि हम एससीईआरटी स्तर पर कार्यक्रम को लागू करना जारी रख सकें। कहानियाँ भेजने में प्रथम बुक्स-स्टोरीवीवर का दृष्टिकोण अच्छा रहा और छात्रों ने पुस्तकों का आनंद लिया। मैं यह जोड़ना चाहता हूँ कि पढ़ना भाषा सीखने का एक महत्त्वपूर्ण घटक है, निपुण भारत के दिशानिर्देशों में भी इसका उल्लेख है। ये कहानियाँ हमारे छात्रों को उन लक्ष्यों को प्राप्त करने में मदद करती हैं।

डॉ. राजेश बंकर, एससीईआरटी महाराष्ट्र

“सौ दिनों के पठन अभियान के दौरान, स्टोरीवीवर मंच पर बच्चों द्वारा देखी और सुनी गई दृश्य-श्रव्य कहानियों ने मेरे छात्रों की शब्दावली को बेहतर बनाने में मदद की। इससे उनका आत्मविश्वास बढ़ा और बच्चों को अपनी भावनाओं को व्यक्त करने में मदद मिली। उन्हें कहानियाँ पढ़ने के लिए प्रोत्साहित किया गया और दी गई गतिविधियों के माध्यम से उन्हें स्वयं कार्य करने के लिए प्रोत्साहित किया गया। बच्चों ने विशेष रूप से नन्हे चित्रकार किताब को पसंद किया, वे जब-जब उस किताब को पढ़ते, तब-तब अपनी दीवारों को पेंट करना चाहते थे और खुद को कलाकार महसूस कर रहे थे।

जसप्रीत कौर, सरकारी प्राथमिक स्कूल हमीरा, कपूरथला, पंजाब।

गाज़ियाबाद की उत्तम स्कूल फॉर गर्ल्स की लाइब्रेरियन दीपा अरोड़ा जिन्होंने सीबीएसई रीडिंग मिशन के तहत हमारे रीडिंग प्रोग्राम का इस्तेमाल किया ने वंचित समुदाय के बच्चों के लिए एक स्कूल, सेवा समर्पण में बच्चों को पढ़ाने के लिए कल्पनाज़ साइकिल पुस्तक को चुना, क्योंकि वह चाहती थीं बच्चे सामान्य से परे सोचें और सीखें कि सफलता ही सब कुछ नहीं है। कहानी सुनने के बाद, बच्चों ने उनकी तरह अंग्रेजी सीखने और बोलने की और अधिक पुस्तकें पढ़ने में सक्षम होने की इच्छा व्यक्त की। एक शिक्षिक और लाइब्रेरियन के रूप में, दीपा कहानी पुस्तकों से संबंधित गतिविधियों और विचारों की शुरुआत की सराहना करती हैं, क्योंकि ये कहानी से परे छात्रों के साथ जुड़ने में उनकी मदद करती हैं।

अनुवादकों को निर्देशित करना

अंतर्राष्ट्रीय अनुवाद संगठनों को बड़े पैमाने पर पठन संसाधन उपलब्ध कराने और उनके भौगोलिक क्षेत्रों में साक्षरता को बढ़ावा देने के लिए सक्षम करना।

“स्टोरीवीवर बाल पुस्तकों का स्वर्ग है! मैं इस मंच पर गई और पुस्तकों का खज़ाना देखकर चकित रह गई। स्टोरीवीवर हमारी अनुवाद परियोजना में सबसे बड़ा सहयोगी रहा है। कई पुस्तकों को मैंने हमारी परियोजना के स्टेम विषय और इंडोनेशियाई संस्कृति के बिलकुल उपयुक्त पाया। इसके साथ ही चूंकि इन पुस्तकों को क्रिएटिव कॉमन्स के रूप में लाइसेंस दिया गया है, इसलिए हम पूरे इंडोनेशिया में विशेष रूप से सबसे बाहरी, विकसित और सीमांत क्षेत्रों में बच्चों को अनुवाद वितरित कर सकते हैं और करेंगे।

ये पुस्तकें इंडोनेशिया गणराज्य के शिक्षा, संस्कृति, अनुसंधान और प्रौद्योगिकी मंत्रालय द्वारा राष्ट्रीय साक्षरता आंदोलन को बढ़ावा देने में महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं। स्टोरीवीवर की पुस्तकें देश भर के बच्चों के लिए दिलचस्प पठन सामग्री प्रदान करती हैं और इंडोनेशियाई लेखकों को स्टेम कहानी पुस्तकें लिखने के लिए प्रेरित करती हैं।”

एम्मा एलएम नबाबन, शिक्षा, संस्कृति, अनुसंधान और प्रौद्योगिकी मंत्रालय, इंडोनेशिया

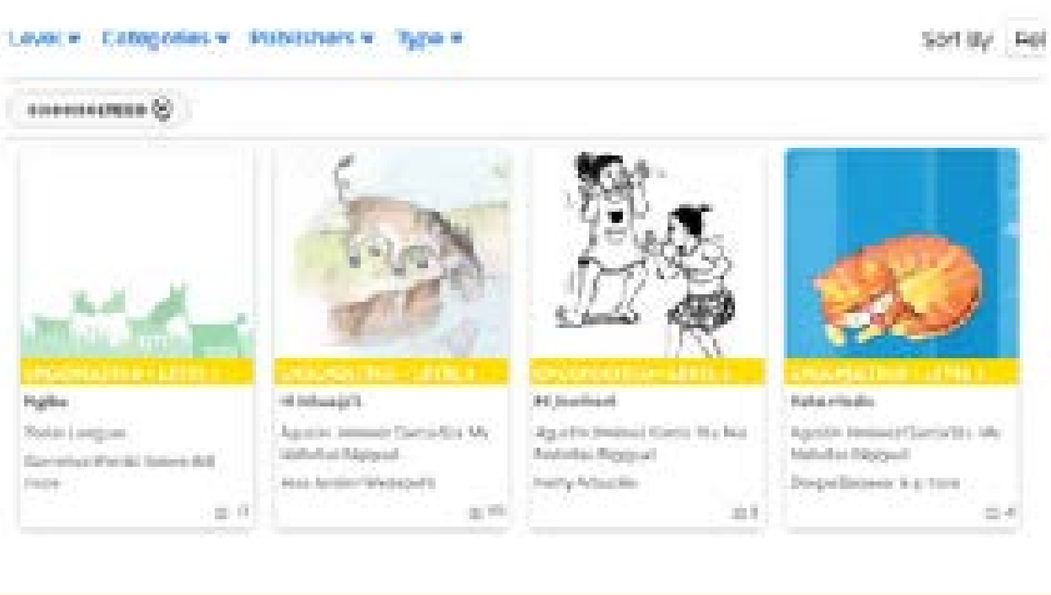

“मेक्सिको में 11 भाषा परिवार हैं। आज हम उनमें से कम से कम 5 स्टोरीवीवर पर पा सकते हैं, जिसका अर्थ है कि हमारे पास ओटो-मैंगुए, हुआवे, मिक्स-ज़ोक, यूटो-एज़टेकन और माया भाषा परिवारों की कहानियाँ हैं। कई मैक्सिकन भाषाओं में अभी तक औपचारिक लेखन प्रणाली नहीं है, इसलिए बच्चों के लिए अपनी मातृभाषा में पढ़ना या पुस्तकें पाना आम बात नहीं है। स्टोरीवीवर पर इन कहानियों का अनुवाद और निर्माण करने से इन बच्चों को अपनी भाषा में पुस्तकें देखने का एक अनूठा अवसर मिला, जो उनके लिए आकर्षक और दिलचस्प है।”

ताजीव डियाज़ रूबल्स फंडेशियन अल्फ्रेडो हार्प हेलु ए.सी.

पढ़ते हुए भारत का निर्माण

PRATHAM BOOKS
donate-a-book

क्राउडफंडेड कहानी पुस्तकें : 81,657

क्राउडफंडेड कक्षा पुस्तकालय : 416

राज्य : 16

प्रभावित बच्चे : 2,42,183

गौरेला पेंड्रा-मरवाही अभियान ने ग्राम पंचायतों और सीख केंद्रों के साथ साझेदारी करके स्कूल बंद होने और सीखने में आने वाली अन्य बाधाओं को दूर करने के लिए छत्तीसगढ़ के आदिवासी हिस्सों में सामुदायिक पुस्तकालय स्थापित करने में मदद की। 223 गांवों में 23,000 से अधिक बच्चों को लाभ पहुँचाते हुए, अभियान ने हिन्दी और अंग्रेजी में 25,000 से अधिक पुस्तकों को वित्त पोषित किया। दान उत्सव के दौरान, हमने शिक्षार्थ ट्रस्ट अभियान से हाथ मिलाया, जिसने 77 पुस्तकालयों के साथ 21 अन्य पुस्तकालयों के लिए धन जुटाया। परिणामस्वरूप, पूरे भारत में अंग्रेजी, हिंदी, मराठी, कन्नड़, तमिल, तेलुगु और ओड़िया में लगभग 100 पुस्तकालय, अलग-अलग 64 गैर-सरकारी संगठनों और स्कूलों में स्थापित हुए।

वन डे, वन स्टोरी का जादू

PRATHAM BOOKS

एक दिन, एक कहानी

कोविड -19 महामारी दूसरी लहर में भी जारी रही और पूरे देश में स्कूल बंद रहे। हमें लगातार दूसरे वर्ष वन डे, वन स्टोरी का वर्च्वल संचालन करना पड़ा। 10,000 बच्चों ने यामिनी विजयन द्वारा लिखित और विष्णु एम नायर द्वारा चित्रित सत्या, वाच आउट! और दीपांजना पाल द्वारा लिखित और राजीव आइप द्वारा चित्रित पुचकू सीक्स ए सॉन्ग का जूम, इंस्टाग्राम और फेसबुक पर आयोजित ऑनलाइन स्टोरीटेलिंग सत्रों के माध्यम से आनंद लिया। इस अभियान के वायरल होने से यह 1,80,000 से अधिक लोगों तक पहुँचा।

यूबीएस इंडिया और इंफोसिस जैसी कंपनियों ने भी इस अभियान में भाग लिया, जिसमें कर्मचारियों ने विभिन्न भाषाओं में इन चयनित कहानियों के वाचन के सत्र रिकॉर्ड किए।

हर उपेक्षित बच्चे के साथ पढ़ने का आनंद साझा करना

बिक्री

6000 से अधिक कक्षा पुस्तकालय वितरित किए गए

ओएसआईसी- 2200 से अधिक कक्षा पुस्तकालय ओड़िया, अंग्रेजी और हिन्दी में वितरित किए गए

परिवार एजुकेशन सोसाइटी- अंग्रेजी और हिन्दी में 400 से अधिक कक्षा पुस्तकालय

वर्ल्ड विजन इंडिया- हिन्दी, मराठी, तमिल, गुजराती, तेलुगु, नेपाली और असमिया में 1400 से अधिक कक्षा पुस्तकालय

रूम टू रीड इंडिया- हिन्दी, मराठी, तेलुगु और कन्नड़ में 1 लाख से अधिक पुस्तकें

इम्पैक्ट- हिन्दी और अंग्रेजी में 500 से अधिक कक्षा पुस्तकालय

अंबुजा सीमेंट फाउंडेशन वाराणसी- हिन्दी और अंग्रेजी में 200 से अधिक कक्षा पुस्तकालय

अमेरिकन इंडिया फाउंडेशन- ओड़िया, कन्नड़, हिन्दी और अंग्रेजी में 65 हजार से अधिक पुस्तकें

समग्र शिक्षा- गुजराती, हिन्दी, अंग्रेजी में 20 हजार से अधिक पुस्तकें

“पुस्तक ऐसा उपहार है जिसे आप बार-बार खोल सकते हैं!” पुस्तकों के पन्नों में छिपे खज़ाने को लेकर यह कथन गैरीसन केलर का है। यह आनंद कई गुना बढ़ जाता है जब पुस्तक प्रथम बुक्स से हो। यह अतिशयोक्ति नहीं है, क्योंकि हमें अपने पुस्तकालय के माध्यम से पाठकों की युवा ब्रिगेड को जारी की जाने वाली पुस्तकों के माध्यम से और नासिक और उसके आसपास के स्कूलों में आयोजित होने वाली पुस्तक प्रदर्शनी के माध्यम से हर दिन इसका अनुभव करने का सौभाग्य प्राप्त है।”

- मनीषा और अजीत बर्जे, कार्वी रिसोर्स लाइब्रेरी

“प्रथम बुक्स’ की कहानी पुस्तकों ने बच्चों की पढ़ने में रुचि विकसित करने में मदद की। यहाँ तक कि वो बच्चे भी पढ़ने लगे जिनकी पढ़ने में रुचि नहीं थी। कहानी पुस्तकों के परिणामस्वरूप पढ़ने के कौशल में सुधार हुआ, लगभग सभी बच्चों ने हिन्दी में अक्षरों और वर्णों की आकृतियों और ध्वनियों को पहचानने में दक्षता दिखाई और शब्दों के अर्थ को समझने के साथ धाराप्रवाह पढ़ने में सक्षम हुए।”

- सेव द चिल्ड्रन

“बच्चों ने कहानी पुस्तकों को महत्त्व देना सीख लिया है, वे प्रथम बुक्स की कहानी पुस्तकों को पसन्द करते हैं और हमारे पठन सत्र का इंतजार करते हैं। उन्होंने जो पुस्तकें पढ़ी, उनके पात्रों के साथ तादात्म बैठा लिया, और सोचने, निरीक्षण करने, विश्लेषण, संवाद और कल्पना के नए तरीके विकसित किए।”

- नूपुर सक्सेना, बुक्स फॉर ऑल

“महामारी के दौरान और स्कूल फिर से खुलने के बाद भी, शुरुआती पाठकों के लिए प्रथम बुक्स की कहानी पुस्तकें बुनियादी भाषा सीखने और शब्दावली विकास में मदद करने में बेहद उपयोगी रहीं। वे बच्चों से संवाद करती हैं और उन्हें सोचने और सवाल करने के लिए प्रेरित करती हैं। जिन बच्चों के साथ हम काम करते हैं, ऐसा प्रतीत होता है कि उनमें हाल ही में कथा साहित्य के प्रति वरीयता में बदलाव आया है; वे अब केवल आयु-उपयुक्त कहानी पुस्तकें ही नहीं पढ़ते बल्कि उनका पठन संसार बढ़ा है।”

- हिमोत्थान, उत्तराखंड

“पढ़ने के प्रति लगाव जगाने के लिए प्रथम बुक्स की पुस्तकें बेहतरीन संसाधन हैं। हमारे शिक्षक लगातार शब्दहीन पुस्तकों, स्तर 1 और स्तर 2 की पुस्तकों का उपयोग कर रहे हैं क्योंकि ये कहानियाँ सरल और बहुत रोचक हैं। प्रथम बुक्स की पुस्तकें छात्र स्वयं चुनते हैं, क्योंकि वे आकार में बड़े, रंगीन और आकर्षक होते हैं। ये पुस्तकें आसान हैं और बच्चे खुद को इनसे जोड़ पाते हैं। बच्चों की कुछ पसंदीदा पुस्तकें हैं आच्छू!; भीमा, द स्लीपीहेड, स्टेज फ्राइट, टप टप टपक, नानी वॉक टू द पार्क, श्रृंगेरी श्रीनिवास श्रृंखला, मैं चढ सकता हूँ! और क्लीन कैट।”

- गीता हरीश, वरिष्ठ सलाहकार, एंजेलिक फाउंडेशन

भागीदार

चीन के बाद भारत में दुनिया की दूसरी सबसे बड़ी स्कूल प्रणाली है। कोविड-19 महामारी ने सीखने के संकट को और अधिक बढ़ा दिया है, खासकर वंचित समुदायों के बच्चों के लिए। हम अपने देश के शैक्षिक स्तर में सुधार की दिशा में दशकों की प्रगति को खोने की जोखिम में हैं। अजीम प्रेमजी विश्वविद्यालय द्वारा 2021 में पाँच राज्यों के 1,137 निजी स्कूलों में 16,000 से अधिक बच्चों पर किए गए एक अध्ययन में पाया गया कि महामारी के दौरान स्कूल बंद होने के कारण सीखने के नुकसान के परिणामस्वरूप औसतन 92% बच्चे कम से कम एक विशिष्ट भाषा क्षमता खो रहे हैं और 82% बच्चे पिछले वर्ष की तुलना में एक गणितीय क्षमता खोने की कगार पर हैं। इस अध्ययन में राजस्थान के 200 स्कूलों के लगभग 4,000 बच्चों को शामिल किया गया।

2011 की जनगणना के अनुसार, राजस्थान की आबादी का लगभग 14% हिस्सा आदिवासी समुदाय हैं, राजस्थान क्षेत्रफल की दृष्टि से भारत का सबसे बड़ा राज्य और जनसंख्या की दृष्टि से सातवाँ सबसे बड़ा राज्य है। अक्सर इन भाषाओं की कोई लिखित लिपि नहीं होती है इसलिए आदिवासी समुदायों में बच्चे अपने परिवार और समुदाय के साथ बातचीत करने की मौखिक परंपरा के माध्यम से अपनी मातृभाषा सीखते हैं। जबकि स्कूल में उन्हें मुख्यधारा की भाषा में पढ़ाया जाता है, जो उनके लिए कठिन हो सकता है।

राजस्थान में आदिवासी बच्चों को शिक्षा प्राप्त करने में बहुत-सी चुनौतियों का सामना करना पड़ता है। स्कूल आमतौर पर उनके गांवों से बहुत दूर होते हैं; अक्सर, माता-पिता को काम की तलाश में मौसमी पलायन करना पड़ता है, इसलिए बच्चों को स्कूल जाना बंद करना पड़ता है। इनमें से कुछ समस्याओं को हल करने के लिए, राजस्थान सरकार के जनजातीय क्षेत्र विकास (TAD) विभाग ने अपने स्वच्छ नामक विकास कार्यक्रम के माध्यम से दूरदराज के क्षेत्रों में आदिवासी बच्चों के लिए सामुदायिक विद्यालयों की स्थापना की। ये सामुदायिक विद्यालय, या मा बारी केंद्र 6 से 12 वर्ष की आयु के बच्चों के लिए हैं। राजस्थान के 11 जिलों में कुल 2,609 मा बारी केन्द्र संचालित हैं जहाँ 3,500 शिक्षक 78,270 आदिवासी बच्चों को पढ़ा रहे हैं।

यूनिसेफ और टैड-स्वच्छ ने पहली बार 2020 में सहरिया और वागड़ी आदिवासी भाषाओं में अनुवाद कार्यशालाओं के माध्यम से ओपन-लाइसेंस वाली उच्च गुणवत्तापूर्ण स्थानीय भाषा डिजिटल लाइब्रेरी विकसित करने के लिए प्रथम बुक्स के साथ भागीदारी की। भाषा विशेषज्ञों और उत्साही लोगों की मदद से 100 कहानी पुस्तकों का अनुवाद किया गया।

सन् 2021 में, राजस्थान के चार जिलों में स्थित 300 मा बारी केंद्रों में नामांकित 9000 बच्चों को मुद्रित कहानी पुस्तकें वितरित की गईं, ताकि महामारी के कारण स्कूल बंद होने के बावजूद, वह घर पर रहते हुए सीखना जारी रख सकें। सहरिया और वागड़ी में घर पर पढ़ने के लिए गतिविधि कार्यपुस्तिकाओं सहित, बुक पैक के रूप में पूरक सहायता सामाग्री भी प्रदान की गई। शिक्षकों को यह भी प्रशिक्षित किया गया कि बच्चों में पढ़ने के कौशल को विकसित करने के लिए कहानी पुस्तकों को प्रभावी ढंग से कैसे उपयोग करें। इस सहयोगी प्रयास के माध्यम से, हम इन आदिवासी समुदायों के बच्चों के सीखने में आई क्षति को पाटने में सक्षम थे।

यह परियोजना यूनिसेफ राजस्थान द्वारा समर्थित थी और टैड-स्वच्छ के साथ साझेदारी में लागू की गई थी।

हम मातृभाषा में मज़ेदार पठन को कैसे प्रोत्साहित कर रहे हैं, इस पर फिल्म देखने के लिए यहाँ क्लिक करें।

वित्तीय विवरण

Pratham Books

Balance sheet as at March 31, 2022

(Amount in Rupees)

Particulars	Sch No.	As at March 31, 2022 Amount	As at March 31, 2021 Amount
Liabilities			
Corpus Fund	1	8,65,63,766	5,68,30,909
Specified Fund	2	7,17,35,307	7,15,18,870
Current Liabilities	3	1,82,79,129	1,62,00,582
Provisions	4	29,40,689	29,04,485
Other advances	5	6,91,391	3,42,938
Total		**18,02,10,282**	**14,77,97,785**
Assets			
Fixed Assets	6	22,51,602	26,23,147
Deposits	7	10,08,13,996	9,37,20,123
Debtors	8	68,26,803	72,74,523
Loans and advances	9	17,18,099	17,82,329
Stock of Books		77,05,011	45,94,430
Cash in Hand		8,740	12,859
Cash at Bank	10	5,56,29,623	3,23,86,168
Specified Fund Receivable	11	-	3,21,750
Other Current Assets	12	52,56,407	50,82,454
Total		**18,02,10,282**	**14,77,97,784**
Significant Accounting Policies and notes to accounts	30		

for Pratham Books

R Sriram
Chairperson

Suzanne Singh
Trustee

As per our report of even date
for Singhvi Dev & Unni LLP
Chartered Accountants
Firm Reg No 003867S/ S200358

Shashi Kumar H D
Partner
Membership No.: 235431
UDIN: 22235431ATQXPA3536

Pratham Books

Income & Expenditure for the year ended March 31, 2022

(Amount in Rupees)

Particulars	Sch No.	As at March 31, 2022 Amount	As at March 31, 2021 Amount
Income			
Sale of Books	13	7,04,51,825	3,93,82,061
Donations received	14	70,22,690	59,90,872
Other Income	15	86,08,003	78,29,899
Income from Funds	16	10,17,84,589	2,93,32,030
Total (A)		**18,78,67,106**	**8,25,34,863**
Expenditure			
Book Development Expenses	17	1,22,98,263	1,44,76,813
Selling & Administrative Expenses	18	1,85,68,538	88,93,952
Staff Expenses	19	2,43,93,196	1,64,59,560
Promotional Expenses	20	5,06,838	3,13,239
Research & Evaluation Expenses		-	5,36,440
Depreciation	6	5,82,825	7,80,101
Fund Expenditure	21	10,11,87,604	9,24,48,635
Total (B)		**15,75,37,265**	**13,39,08,741**
Excess of Income over expenditure (A-B)		3,03,29,841	(5,13,73,878)
Add:			
Opening Balance in Funds			
Opening Balance in Corpus Fund		5,68,30,909	4,50,88,183
Opening Balance in Specified Fund		7,15,18,870	13,43,13,725
Balance of Funds after appropriations			
Corpus Fund		8,65,63,766	5,68,30,909
Specified Fund		7,17,35,307	7,15,18,870
Total balance in Funds		**15,82,99,073**	**12,83,49,779**
Significant Accounting Policies and notes to accounts	30		

for Pratham Books

R Sriram
Chairperson

Suzanne Singh
Trustee

Bengaluru
September 21, 2022

As per our report of even date
for Singhvi Dev & Unni LLP
Chartered Accountants
Firm Reg No 003867S/ S200358

Shashi Kumar H D
Partner
Membership No.: 235431
UDIN: 22235431ATQXPA3536

Bengaluru
September 21, 2022

Pratham Books

Receipts and Payments account for the year ended March 31, 2022

(Amount in Rupees)

Particulars	Sch no.	Year ended March 31, 2022 Amount	Year ended March 31, 2021 Amount
Receipts			
Balance brought forward			
- Cash on hand		12,859	29,238
- Cash at bank		3,23,86,168	1,54,46,287
Sale of books	22	7,11,27,960	3,73,86,097
Donations	23	70,22,690	59,90,872
Other Income	24	75,31,032	70,69,116
Specified Funds	25	10,17,84,589	2,93,32,030
Fixed Deposits - Withdrawn		9,15,06,369	18,83,89,294
Rent Deposit Received		-	1,75,500
Earnest Money Refund Received		3,13,880	-
Income Tax Refund - Received (TDS)		10,60,810	9,39,275
Total		**31,27,46,358**	**28,47,57,711**
Payments			
Book Development Expenses	26	1,12,84,777	1,21,16,718
Selling, Administrative Expenses and Promotional Expenses	27	1,88,72,827	91,92,708
Staff Expenses	28	2,38,49,771	1,52,06,090
Research & Evaluation Expenses		-	5,36,440
Fund Expenditure	29	10,39,09,421	9,42,83,977
Fixed Assets Purchased		2,11,280	57,500
Fixed Deposits		9,88,16,981	11,96,16,369
Gratuity- LIC Policy		-	10,00,000
Specific Grant Balance Refund		65,797	-
Earnest Money Deposit		97,141	3,48,880
Balance carried forward			
- Cash on hand		8,740	12,859
- Cash at bank		5,56,29,623	3,23,86,168
Total		**31,27,46,358**	**28,47,57,709**
Significant Accounting Policies and notes to accounts	30		

for Pratham Books

R Sriram
Chairperson

Suzanne Singh
Trustee

Bengaluru
September 21, 2022

As per our report of even date
for Singhvi Dev & Unni LLP
Chartered Accountants
Firm Reg No 003867S/ S200358

Shashi Kumar H D
Partner
Membership No.: 235431
UDIN: 22235431ATQXPA3536

Bengaluru
September 21, 2022

दाता

Ashok Thummalachetty

Mayuresh Sharad Shirgaokar

वित्त वर्ष 2021-22 के लिए व्यक्तिगत डोनर्स

यदि आप पढ़ने का आनंद पहुँचाने के प्रयासों में हमारे साथ भागीदारी करना चाहते हैं, तो कृपया grants@prathambooks.org पर लिखें।

बोर्ड ऑफ ट्रस्टी

नाम	पद	बोर्ड के बैठकों की संख्या	ट्रस्टी द्वारा प्राप्त पारिश्रमिक / प्रतिपूर्ति
अशोक कामत	ट्रस्टी	4	0
हरित नागपाल	ट्रस्टी	3	0
एमएस श्रीराम	ट्रस्टी	4	0
परवीन वर्मा	ट्रस्टी	0	0
आर श्रीराम	अध्यक्ष एवं प्रबंध ट्रस्टी	4	0
रेखा मेनन	ट्रस्टी	3	0
श्रीकांत नादमुनी	ट्रस्टी	4	0
सुज़ैन सिंह	ट्रस्टी	3	0

श्री हरित नागपाल 1 अप्रैल 2021 को बोर्ड में एक ट्रस्टी के रूप में शामिल हुए।

बोर्ड ट्रस्टी की बैठक वित्त वर्ष 2021-22 में 4 बार, 3 जून 2021, 27 सितंबर 2021, 18 जनवरी 2022 और 17 मार्च 2022 को हुई। सभी बोर्ड बैठकें वर्च्वल रूप में आयोजित हुईं। बोर्ड की बैठक के विवरण का दस्तावेजीकरण किया गया और साझा किया गया।

आभार सूची

इस वार्षिक रिपोर्ट के चित्र प्रथम बुक्स की निम्नलिखित पुस्तकों से लिए गए हैं :

शीर्षक	लेखक	चित्रकार
बोबो एण्ड वॉर्म्स	अबोकली जिमोमी	कानातो जिमो
श्रुति फ्लॉट्स एन आइडिया	नवीन दोराईराजू	विभा सूर्या
सो मेनी लीव्स	सीमा मुंडोली और हरिनी नगेंद्र	बरखा लोहिया
ए बुक फोर पुचकू	दीपांजना पाल	राजीव आइप
सत्या, वॉच आउट	यमिनी विजयन	विष्णु एम नायर
चकाचक चीकू	लवलीन मिश्रा	मानसी पारिख
आई लव ग्रे	कानातो जिमो	कानातो जिमो
द रनवे पिग	रोहित कुलकर्णी	प्रिया कुरियन
द बिग बीच क्लीनअप	चाँदनी छाबरा	आशा सुज़ैन एलेक्स

प्रथम बुक्स

#621, दूसरी मंजिल, 5वीं मेन,
ओएमबीआर लेआउट,
बानसवाड़ी, बेंगलूरु 560043
टी: +91 80 42052574/41159009
नई दिल्ली | दूरभाष : +91 11 41042483

www.prathambooks.org
www.storyweaver.org.in
www.donateabook.org.in